अनुक्रमणिका

साहित्य रत्न मासिक ई-पत्रिका जून-2024

सम्पादकीय

रामअवतार बैरवा

अतिथि संपादक

डॉ. मृत्युंजय कोईरी

कहानी

1- अनीता रश्मि
2- डॉ. रंजना जायसवाल
3- नदन पण्डित
4- बनवारी लाल गौड
5- रामनगीना मौर्य
6- बीरेंद्र बहादुर सिंह
7- शेर सिंह
8- श्यामल बिहारी महतो
9- संजय कुमार सिंह
10- डॉ. मृत्युंजय कोईरी

पूर्वोत्तर से-

1- प्रो यशवत सिंह
2- डॉ अनुजा बेगम
3- डॉ. इयाह्ईया आलहुदा

समीक्षा

1- डॉ. बिपिन पाण्डेय

कहानी

आधुनिक काल के प्रारम्भ से चलकर आज तक हिन्दी कहानी ने विकास के अनेक सोपान पार किए हैं। प्रारम्भिक हिन्दी कहानी में युगानुरूप अनेक नए तत्त्वों का सम्मिश्रण होता रहा और कहानी का ढाँचा बदलता रहा। हिन्दी कहानी को जन-जीवन की समस्याओं से जोड़ने का सराहनीय प्रयास प्रेमचन्द ने किया। इसीलिए उन्हें कथा-सम्राट कहा गया। प्रेमचन्द के बाद हिन्दी कहानी के विकास में अनेक नए मोड़ आए हैं। नई कहानी, अकहानी, सचेतन कहानी, समकालीन कहानी आदि अनेक कथा आन्दोलनों से गुजरते हुए आज की कहानी विकास की नई-नई मंजिलें पार कर रही है। इस आधार पर कहा जा सकता है कि निस्सन्देह हिन्दी कहानी अन्य अनेक नई मंजिलें तय करेंगी।

 ISSN:2583-8849